जनपद—सहारनपुर

भ्रमण अवधि— दिनांक 08.02.2018 से 10.02.2018

राज्य स्तरीय टीम

1. श्री अभिषेक सिंह, राज्य समन्वयक, राज्य ब्लड सेल।
2. श्री अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम समन्वयक, परिवार नियोजन।

जिला चिकित्सालय —सहारनरपुर

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी	समय सीमा
चिकित्सालय परिसरः—			
सिटीजन चार्टर अपडेटेड डिस्प्ले नहीं था।	उचित स्थान पर अपडेट कराते हुए डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक माह**
5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था।	5'5 मैट्रिक्स उपयुक्त स्थानों पर लगाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक माह**
ई0डी0एल0 का प्रर्दशन नियमित रुप सें नहीं किया जा रहा था।	ई0डी0एल0 का प्रर्दशन कराया गया, नियमित रुप सें किये जाने तथा प्रतिदिन अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	चीफ फार्मासिस्ट	**प्रतिदिन**
शिकायत पेटिका उपलब्ध था किन्तु उपयोग में नही ंथा।	शिकायत निवारण पेटिका सही जगह लगाने व मानकानुसार क्रियाशील करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक सप्ताह**
प्रसव कक्ष कें बाहर पंजीकरण काउण्टर बनाया गया था, जहॉ काफी भीड़ थी। जिससे प्रसव कक्ष में आवागमन बाधित हो रहा था।	पंजीकरण काउण्टर विन्डो के माध्यम से लाभार्थियों का लाईन बाहर की ओर लगवाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक सप्ताह**
आई0ई0सी0ः—			
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे काफी पुराने व धुधले हो चुके थे। डाइट चार्ट डिस्प्ले नहीं था।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक माह**
मातृत्व स्वास्थ्य—			
प्रसूताओं के अटेण्डेण्ट व आशा भी प्रसव कक्ष में मौजूद थे। ड्यूटी स्टाफ द्वारा भी संक्रमण से बचाव के तरीको का फालो नही किया जा रहा था।	संक्रमण से बचाव सम्बन्धी दिशा—निर्देशों का पालन करने का सुझाव दिया गया।	ड्यूटी प्रभारी	**प्रतिदिन**
लेबर रुम में ड्यूटी चार्ट नहीं लगाया गया था।	ड्यूटी चार्ट लगाये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**प्रतिदिन**
जे0एस0वाई0, डायट, एवं आर0के0एस0 का रजिस्टर प्रपत्र व मानकानुसार नहीं बनाये जा रहें है।	सभी रिकार्ड मानकानुसार पूरा कराने को कहा गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका	**एक माह**
महिला वार्ड में महिला लाभार्थियों के साथ कई परिजन उपस्थित थे।	स्टॉफ नर्स को निर्देश दिया गया कि महिला लाभार्थियों के साथ एक ही परिजन उपस्थित रहें।	ड्यूटी प्रभारी	**प्रतिदिन**
आई0सी0टी0सी0—			
जिला पुरुष चिकित्सालय में आई0सी0टी0सी0 काउन्सलर व हेल्थ मैनेजर के एक ही कक्ष में पार्टिशन कर बैठने की ब्यवस्था की गयी है। जिससे काउन्सलिंग की गोपनीयता बाधित हो रही है।	आई0सी0टी0सी0 काउन्सलर गोपनीयता का ध्यान रखते हुए स्थापित कराया जाए।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,	**एक माह**
रेडियोलाजिस्ट की उपलब्धता के बावजूद अल्ट्रासाउण्ड मशीन न होने के कारण सेवायें नहीं दी जा रही हैं।	अल्ट्रासाउण्ड मशीन मॅगाने हेतु फालोअप करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक सप्ताह**
परिवार नियोजन—			
महिला वार्ड में भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को काउन्सलर द्वारा परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में परामर्श	निर्देश दिया गया कि भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में सम्पूर्ण परामर्श दिया जाये।	परिवार नियोजन,काउन्सलर	**प्रतिदिन**

दिया जा रहा है।			
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाये।	चीफ फार्मासिस्ट	**प्रतिदिन**
परिवार नियोजन परामर्शदाता द्वारा परिवार नियोजन परामर्श दिया जा रहा है। रिकार्ड सही प्रकार से नही भरे जा रहे थे।	समस्त भर्ती प्रसतूाओं की परिवार नियोजन काउन्सलिंग करने का सुझाव दिया गया। रिकार्ड सही प्रकार से भरने सम्बन्धी जानकारी दी गई।		
पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों का फालोअप ड्यू डेट पर नहीं किया जा रहा है। ड्यू डेट से फालोअप रिकार्ड मैच नहीं कर रहे थे। फालोअप काफी कम हैं।	चिकित्सा अधीक्षिका को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक माह सेवाप्रदातावार उपलब्धि समीक्षा करें एवं इकाई में होने वाले प्रसव के सापेक्ष 30 प्रतिशत से अधिक पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए।	परिवार नियोजन,काउन्सलर	**प्रतिदिन**
नसबन्दी लाभार्थियों के मेडिकल रिकार्ड चेकलिस्ट नहीं भरे जा रहे है।	समस्त प्रपत्र प्रिण्टेड प्राप्त कर भरे जायें।	चिकित्साधिकारी / सर्जन	**प्रतिकेस**
कण्डोम बाक्स लगा था, किन्तु खाली था।	नियमित रुप से कण्डोम भरे जाने का सुझाव दिया गया।	चीफ फार्मासिस्ट	**प्रतिदिन**
बाल स्वास्थ्य–			
टीका करण कक्ष के बाहर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी प्रदर्शन नहीं था। डिस्चार्ज से पहले नवजात बच्चों को बी०सी०जी०, ओ0पी0वी0 एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक दी जा रही थी ।	आई0ई0सी0 सामग्री को यथा स्थान पर प्रदर्शित किया जाये।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक सप्ताह**
एस.एन.सी.यू. में संदर्भित मरीजों की संख्या काफी कम है। स्टाफ को यूनिवर्सल प्रीकाशन की जानकारी नहीं थी। आर0बी0एस0के0टीमें व आशाओं का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है।	आर0बी0एस0के0टीमें व आशाओं का अपेक्षित सहयोग प्राप्त कर लाभार्थियों की संख्या ब़ढ़ाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी,	**एक सप्ताह**
एस0एन0सी0यू0 में इलेक्ट्रिक बोर्ड आदि स्थापित थे। सेप्टि नार्मस का फालोअप नहीं किया जा रहा था।	इलेक्ट्रिक बोर्ड आदि बाहर स्थापित कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक सप्ताह**
इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक द्वारा वार्डो में भ्रमण नहीं किया जा रहा है।	इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक द्वारा समय–समय पर मरीजो की देख भाल हेतु भ्रमण करना।	चिकित्साधिकारी	**प्रतिदिन**
किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम–			
एन.आर.सी. में आर.बी.एस.के. टीम द्वारा SAM के मरीजों का संदर्भन नगण्य है।			
आपरेशन थियेटरः–			
आपरेशन थियेटर में सक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे।	आपरेशन थियेटर मानक के अनुरुप व समस्त सम्बन्धित रिकार्ड मेण्टेन कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक सप्ताह**
बायोमेडिकल वेस्ट–			
चिकित्सालय में Colour Coded Bins की व्यवस्था की गयी थी।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,	**एक सप्ताह**
ब्लड बैंक–			
ब्लड बैक में स्टाफ उपस्थित थे। रक्त सग्रहण, ब्लड कैम्प एवं काउसलिग की जा रही थी।		ब्लड बैक स्टाफ	**एक सप्ताह**
रिकार्ड पुराने प्रपत्र पर भरे हुए थे।	नवीन प्रपत्रों का उपयोग किये जाने का सुझाव दिया गया।	ब्लड बैक स्टाफ	**एक सप्ताह**
जे0एस0वाई0 व थैलेसेमिया के मरीजों से रक्त रिप्लेसमेण्ट के बाद ही प्रदान किया जा रहा था।	दिशा–निर्देशों का पालन सख्ती से किये जाने का सुझाव दिया गया।	ब्लड बैक स्टाफ	**तत्काल**
ब्लड बैग पर डोनर का नाम प्रदर्शित किया जा रहा था।	भविष्य में कोड नम्बर अंकित करने का निर्देश दिया गया।		**तत्काल**
प्लेटलेटस का निर्माण भी नहीं किया जा रहा था।	प्लेटलेटस का निर्माण किये जाने का सुझाव दिया गया।		**तत्काल**

संलग्न– चेकलिस्ट।

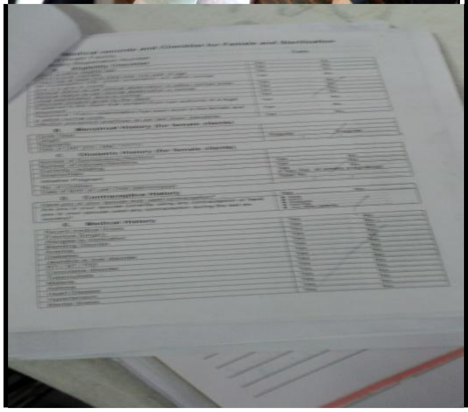
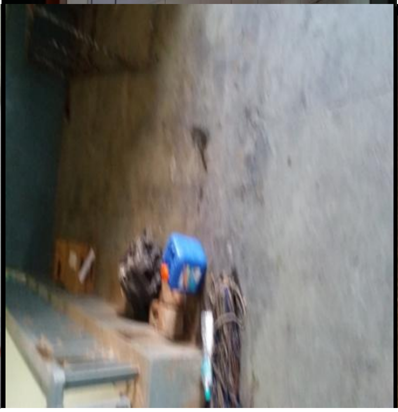
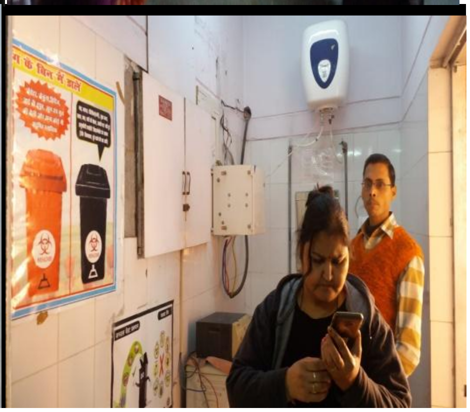

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र –नागल

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी	समय सीमा
चिकित्सालय परिसरः–			
सिटीजन चार्टर डिस्प्ले नहीं था।	उचित स्थान पर डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी,	**एक माह**
5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था।	5'5 मैट्रिक्स उपयुक्त स्थानों पर लगाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी,	**एक माह**
ई0डी0एल0 का प्रर्दशन नियमित रुप सें नहीं किया जा रहा था।	ई0डी0एल0 का प्रर्दशन नियमित रुप सें किये जाने तथा प्रतिदिन अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	चीफ फार्मासिस्ट	**प्रतिदिन**
शिकायत पेटिका उपलब्ध था किन्तु उपयोग में नही था।	शिकायत निवारण पेटिका सही जगह लगाने व मानकानुसार क्रियाशील करने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी,	**एक सप्ताह**
आई0ई0सी0ः–			
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे काफी पुराने व धुधले हो चुके थे। डाइट चार्ट डिस्प्ले नहीं था।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी,	**एक माह**
मातृत्व स्वास्थ्य–			
प्रसूताओं के अटेण्डेण्ट प्रसव कक्ष में जूता पहने हुए मौजूद थे।	संक्रमण से बचाव सम्बन्धी दिशा–निर्देशों का पालन करने का सुझाव दिया गया।	ड्यूटी प्रभारी	**प्रतिदिन**
लेबर टेबिल पर जंग लगी हुई थी और मेट्रेस नही बिछी थी।	लेबर टेबिल बदलने का सुझाव दिया गया और मेट्रेस लगवाया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी,	**प्रतिदिन**
औसतन 80–90 प्रसव प्रतिमाह हो रह है। जे0एस0वाई0, डायट, एवं आर0के0एस0 का रजिस्टर प्रपत्र व मानकानुसार नहीं बनाये जा रहें है।	सभी रिकार्ड मानकानुसार पूरा कराने को कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी,	**एक माह**
परिवार नियोजन–			
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाये।	चीफ फार्मासिस्ट	**प्रतिदिन**
कण्डोम बाक्स लगा था, किन्तु खाली था।	नियमित रुप से कण्डोम भरे जाने का सुझाव दिया	चीफ फार्मासिस्ट	**प्रतिदिन**

	गया।		
उपस्थित लाभार्थियों को परिवार नियोजन उपायों की जानकारी नही थी।	परिवार नियोजन उपायों की जानकारी प्रदान कराने व आशाओं के माध्यम से गर्भनिरोधक वितरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
होम डिलीवरी आफ कन्ट्रासेप्टिव स्कीम के तहत आशाओं को गर्भनिरोधक सामग्री का वितरण नहीं किया जा रहा है।	होम डिलीवरी आफ कन्ट्रासेप्टिव स्कीम के दिशा निर्देशों का भली भांति अध्ययन किया जाय व प्रत्येक आशा के मांग के अनुरूप गर्भनिरोधक सामग्री का वितरण आशाओं को नियमित रूप से किया जाय।	बी0पी0एम0, एच0ई0ओ0 व बी0सी0पी0एम0	**प्रति बैठक**
बाल स्वास्थ्य–			
नवजात शिशु को Early Initiation of Breast Feeding नही करायी जा रही थी।	टीम द्वारा Early Initiation of Breast Feeding महत्व बताया गया	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
प्रसव कक्ष में टीकाकरण सारिणी एवमं प्रोटोकोल पोस्टर उपलब्ध नही थे।	प्रसव कक्ष में टीकाकरण सारिणी एवमं प्रोटोकोल पोस्टर लगाये जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी,	**एक माह**
नवजात शिशु के शरीर को पोछने हेतु तोलिया उपलब्ध नही थी।	आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी,	**एक दिन**
आपरेशन थियेटरः–			
आपरेशन थियेटर में सक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे।	आपरेशन थियेटर मानक के अनुरुप व समस्त सम्बन्धित रिकार्ड मेण्टेन कराये जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी,	**एक माह**
बायोमेडिकल वेस्ट–			
चिकित्सालय में Colour Coded Bins की समुचित ब्यवस्था नहीं की गयी थी।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया। साथ ही विसंक्रमित करने व निर्देशों के अनुरुप निस्तारण करने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, बी0पी0एम0, एच0ई0ओ0 व बी0सी0पी0एम0	**प्रति बैठक**

<u>संलग्न– चेकलिस्ट।</u>

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –देवबन्द</u>

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी	समय सीमा
चिकित्सालय परिसरः–			
सिटीजन चार्टर अपडेटेड डिस्प्ले नहीं था।	उचित स्थान पर अपडेट कराते हुए डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।	अधीक्षक,	**एक माह**
ई0डी0एल0 का प्रर्दशन नियमित रुप सें नहीं किया जा रहा था।	ई0डी0एल0 का प्रर्दशन नियमित रुप सें किये जाने तथा प्रतिदिन अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	चीफ फार्मासिस्ट	**प्रतिदिन**
शिकायत पेटिका उपलब्ध था किन्तु उपयोग में नही था।	शिकायत निवारण पेटिका सही जगह लगाने व मानकानुसार क्रियाशील करने का सुझाव दिया गया।	अधीक्षक,	**एक सप्ताह**
आई0ई0सी0ः–			
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे काफी पुराने व धुधले हो चुके थे। डाइट चार्ट डिस्प्ले नहीं था।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	अधीक्षक,	**एक माह**

मातृत्व स्वास्थ्य–			
एच0आर0पी0डे आयोजित था। किन्तु मेडिकल आफिसर के प्रशिक्षण में होने के कारण निर्देशों के अनुरुप गतिविधियॉ नही हो रही थीं।			
ऑक्सीटॉक्सिन निर्धारित मापदण्ड के अनुसार 2 से 8 डिग्री तापमान में नहीं रखा गया था।	दिशा–निर्देशों का अध्ययन कर सम्बन्धित स्टाफ का क्षमतावर्द्धन करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत भुगतान लम्बित पाये गये। छुट्टी के समय भुगतान से सम्बन्धी लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र किसी भी लाभार्थी को नही दिया जा रहा है।	लम्बित भुगतान अतिशीघ्र निपटाये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
जे0एस0वाई0 वार्ड में प्रचार प्रसार सम्बन्धित प्रदर्शन नहीं था।	दीवार लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।	अधीक्षक,	**एक माह**
परिवार नियोजन–			
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है। जनवरी 2018 से आई0यू0सी0डी0 उपलब्ध नहीं है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाये।	अधीक्षक,	**एक सप्ताह**
कण्डोम बाक्स लगा था, किन्तु खाली था।	नियमित रुप से कण्डोम भरे जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
उपस्थित लाभार्थियों को परिवार नियोजन उपायों की जानकारी नही थी।	परिवार नियोजन उपायों की जानकारी प्रदान कराने व आशाओं के माध्यम से गर्भनिरोधक वितरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
चिकित्सालय में पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन की सेवायें दी जा रही हैं। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन व फालोअप के रिकार्ड मैच नहीं कर रहे हैं। बहुत कम लाभार्थियों का फालोअप किया जा रहा है।	चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक माह सेवाप्रदातावार उपलब्धि समीक्षा करें एवं इकाई में होने वाले प्रसव के सापेक्ष 30 प्रतिशत से अधिक पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
होम डिलीवरी आफ कन्ट्रासेप्टिव स्कीम के तहत आशाओं को गर्भनिरोधक सामग्री का वितरण भ्रमण के दौरान प्रत्येक आशा को बराबर मात्रा में किया जा रहा था।	होम डिलीवरी आफ कन्ट्रासेप्टिव स्कीम के दिशा निर्देशों का भली भांति अध्ययन किया जाय व प्रत्येक आशा के मांग के अनुरूप गर्भनिरोधक सामग्री का वितरण आशाओं को नियमित रूप से किया जाय।	बी0पी0एम0, एच0ई0ओ0 व बी0सी0पी0एम0	**प्रति बैठक**
बाल स्वास्थ्य–			
नवजात शिशु को Early Initiation of Breast Feeding नही करायी जा रही थी।	टीम द्वारा Early Initiation of Breast Feeding महत्व बताया गया	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
प्रसव कक्ष में टीकाकरण सारिणी एवमं प्रोटोकोल पोस्टर उपलब्ध नही थे।	प्रसव कक्ष में टीकाकरण सारिणी एवमं प्रोटोकोल पोस्टर लगाये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
आपरेशन थियेटरः–			
आपरेशन थियेटर में सक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे। पारदर्शी शीशे लगे थे।	आपरेशन थियेटर मानक के अनुरुप व समस्त सम्बन्धित रिकार्ड मेण्टेन कराये जाने का सुझाव दिया गया।	अधीक्षक,	**एक सप्ताह**
बायोमेडिकल वेस्ट–			
चिकित्सालय में Colour Coded Bins की समुचित ब्यवस्था नहीं की गयी थी।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया। साथ ही विसंक्रमित करने व निर्देशों के अनुरुप निस्तारण करने का सुझाव दिया गया।	अधीक्षक,	**एक सप्ताह**
इन्जेक्शन रुम में उपयोग की हुई नीडिल–सीरिन्ज वाशबेसिन, डस्टबिन में व आई0सी0टी0सी0 काउन्सलर के पास काफी संख्या में उपयोग की हुई नीडिल–सीरिन्ज पायी गयी।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट के दिशा–निर्देशों का पालन करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
विगत दो माह से एक्सरे फिल्म उपलब्ध नहीं है।	एक्सरे फिल्म हेतु मॉगपत्र प्रेषित कर जल्द उपलब्धता सुनिश्चित कराने का सुझाव दिया गया।	अधीक्षक,	**एक सप्ताह**
आर.बी.एस.के.टीमः–			
आर.बी.एस.के. टीमों के वाहन की लागबुक भरी जा रही हैं। लागबुक में मीटर रीडिंग व	निर्धारित प्रिण्टेड लागबुक प्रयोग करने व नियमित भरने का सुझाव दिया गया।समस्त रिकार्ड पूर्ण रुप से व सही	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**

यात्रा प्रारम्भ किये जाने व वापसी का समय निर्धारित प्रारुप पर अंकित नहीं था। टीम के रिकार्ड अधूरे भरे गये थे।	भरे जाने का सुझाव दिया गया।		
ब्लड स्टोरेज यूनिट–			
ब्लड स्टोरेज यूनिट में रिकार्डो का रख–रखाव संतोषजनक नहीं पाया गया।	रिकार्डो का रख–रखाव के सुदृढीकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों की क्षमता बृद्दि की जाये।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**
प्राइवेट चिकित्सालयों को ब्लड वितरित किया जा रहा है।	दिशा–निर्देशों का पालन करने का सुझाव दिया गया।	अधीक्षक,	**एक सप्ताह**
एम्बुलेन्स सेवा–			
एम्बुलेन्स UP 41 G 1922 का अवलोकन किया गया। एम्बुलेन्स में पायलट डोर डैमेज था।दवाईयों की उपलब्धता थी, किन्तु उपयोग नहीं किया जा रहा था।		सम्बन्धित अधिकारी / स्टाफ	**प्रतिदिन**
लाग बुक में मीटर रीडिंग की इण्ट्री नहीं की गयी थी।	नियमित रुप से मीटर रीडिंग की इण्ट्री करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ	**प्रतिदिन**

<u>संलग्न– चेकलिस्ट।</u>

1. **सामुदायिक गतिविधियॉ नम्बर 01:** ग्राम– घसौली, विकास खण्ड– रामपुर मनिहारान,

- सम्पर्क : ए.एन.एम.–श्रीमती शशि,
  आशाः– श्रीमती राजरानी,ममता,मौसमी।
  ऑगनबाड़ी कार्यकत्रीः– श्रीमती सुलेलता, राजकुमारी, अल्का

टीम द्वारा वी0एच0एन0डी0 सत्र का अवलोकन किया गया। आशा के पास आशा डायरी व बैग समस्त टूल किट के साथ सत्र स्थल पर नही था। गर्भनिरोधक सामग्री भी उपलब्ध नहीं था। सामुदायिक स्तर की गतिविधियों का आकलन हेतु टीम द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरुप विभिन्न विधाओं के सेवाप्राप्त 05 लाभार्थियों से सम्पर्क किया गया। ए0एन0सी0 चेक अप हेतु कोई स्थान उपलब्ध नही था।

- बच्चो की बजन मशीन उपलब्ध थी।
- ए0एन0सी0 एवं0 पी0एन0सी0 की कोई समुचित व्यवस्था नही थी।
- हब कटर, एवं पन्चर प्रुफ वाक्स उपलब्ध नही था।
- यूरिन टेस्ट किट एवं ब्लड टेस्ट किट उपलब्ध थी।
- प्रसूती महिला, लक्षित दम्पत्ति सूची, एच0आर0पी0 सूची आदि उपलबध नहीं पायी गयी।

- कुपोषित बच्चों के परीक्षण के लिये एम0यू0ऐ0सी0 टेप उपलब्ध था, किन्तु उसका उपयोग नहीं किया जा रहा था, जिससे कुपोषित बच्चों का चिन्हिकरण व बच्चों को एन0आर0सी0 रेफर नहीं किया जा रहा था।

2. **सामुदायिक गतिविधियॉ नम्बर 02:** ग्राम– ढाकादेई, विकास खण्ड– रामपुर मनिहारान,

- सम्पर्क : ए.एन.एम.–श्रीमती पमिता,
  आशाः– श्रीमती ममता
  ऑगनबाड़ी कार्यकत्रीः– श्रीमती सरिता, अन्जू, संगीता

गर्भवती चिन्हीकरण एवं सूचीः गर्भवती महिलाओं की सूची आशा व ऑगनबाड़ी कार्यकत्री के पास भी उपलब्ध थी। जिसे टैली शीट से मैच कराया गया।

ए0एन0एम0 के पास उपलब्ध संसाधनः आई0एफ0ए0 टेबलेट (रेड), कैल्शियम टेबलेट, एलबेन्डाजोल, पी0टी0के0, हीमोग्लोबिन टेस्टिंग किट (स्ट्रिप्स एवं मैचिंग काउन्टर), उपलब्ध था। उपकरणों में फीटोस्कोप, स्टेथोस्कोप, आदि उपलब्ध थे व लाल बिन्दी व मुहर, यूरिस्टिक्स की डिब्बी व स्ट्रिप्स भी उपलब्ध पाये गये। इलेक्ट्रानिक बी0पी0मशीन, उपलब्ध थी, किन्तु क्रियाशील नहीं थी। पुनरीक्षित एम0सी0पी0 कार्ड उपलब्ध था।एच0आर0पी0 रजिस्टर, सुरक्षित मातृत्व पुस्तिका, एनीमिक की सूची उपलब्ध नहीं थी। समस्त लाभार्थी गर्भवती महिलाओं के पेट की जॉच नहीं की गई थी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

निम्नानुसार सुझाव दिये गये–

- ऑकड़ों की नियमित समीक्षा प्रत्येक स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जाए। भिन्नता की भी जॉच सुधार करते हुए पोर्टल पर अपलोड कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- समस्त विकास खण्ड की स्वास्थ्य इकाईयों द्वारा की गई रिपोर्टिंग में शून्य व रिक्त सूचनाओं के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अवगत कराते हुए सही सूचनायें भरने सम्बन्धी जानकारियॉ प्रदान की गईं।
- भ्रमण की गई स्वास्थ्य इकाईयों के फीडबैक से अवगत कराते हुए ब्लडबैंक में सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने का अनुरोध किया गया।
- निर्धारित समय सीमा में रिपोर्ट अपलोड कराने का सुझाव दिया गया।
- गतिविधियों की वित्तीय प्रगति से अवगत कराते हुए फरवरी व मार्च माह का प्लान तैयार कर गतिविधियॉ सम्पादित कराने का सुझाव दिया गया।

नेशनल डी वार्मिंग दिवस की पर्यवेक्षण आख्या

दिनांक 10.02.2018 को जनपद के विकास खण्ड रामपुर मनिहारान के पॉच केन्द्रों का पर्यवेक्षण किया गया, जहॉ पर्यवेक्षण के अवलोकन बिन्दु निम्न है–

1. **प्रशिक्षण–** जिला स्तरीय समन्वय बैठक 28.12.2017 को आहुत की गयी। ब्लाक स्तर पर दिनांक 08.02.2018 को अध्यापकों व ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षित किया गया।
2. **प्रचार–प्रसार–** जनपद स्तर पर 23.01.2018 को समस्त विकास खण्डों को प्रचार–प्रसार सामग्री वितरित किये गये थे। प्रशिक्षण उपरान्त समुदाय स्तर तक प्रचार–प्रसार भली प्रकार से नही किये गये। स्कूल प्रबन्धन समिति व अभिभावक बैठकें तथा समुदाय स्तर पर बैठकों व दिवार लेखन आदि के माध्यम से प्रचार–प्रसार का अभाव देखने को मिला।
3. **अपील–** समस्त टीचर्स, मदरसो व ग्राम प्रधानों से कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन सम्बन्धी अपील किया गया था।
4. **उपलब्ध एलबेण्डाजोल टेबलेट–** जनपद स्तर पर 28–29.01.2018 को समस्त विकास खण्डों को एलबेन्डाजोल टेबलेट उपलब्ध कराये गये थे। अध्यापकों को 200 टेबलेट व ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 75 टेबलेट समान मात्रा में वितरित किये गये थे। पंजीकृत बच्चों के अनुपात में दवाईयॉ कम दी गयी थीं, किन्तु उपस्थित समस्त बच्चों के अनुपात में दवाईयों की कमी नहीं हुई। भ्रमण टीमों के पास भी दवाईयॉ उपलब्ध थीं।
5. **सुझाव–** सुझाव दिया गया कि माप राउण्ड हेतु ब्यापक तैयारी की जाय। माइक्रोप्लान तैयार करते हुए छूटे हुए बच्चों के अनुपात में दवाईयॉ वितरित की जाय व ब्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाय। समस्त आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय।

, **स्थान–** पूर्व माध्यमिक विद्यालय, प्राइमरी पाठशाला व ऑगनबाड़ी केन्द्र, –घसौली ।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव
पूर्व माध्यमिक विद्यालय,प्राइमरी पाठशाला व ऑगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों की सूची उपलब्ध थी। ट्रैकिंग शीट विकसित की गयी थी।	उपस्थिति पंजिका का उपयोग करते हुए दवा खिलाये गये बच्चों के नाम के सम्मुख सही का निशान लगाने का सुझाव दिया गया। जिससे छूटे हुए बच्चों की सूची भी तैयार हो सके।
दवाईयॉ 200 टेवलेट उपलब्ध थीं। भ्रमण के समय उपस्थित सभी बच्चों को दवा खिलायी गयी थी। अध्यापक को दवाईयों के साइड इफेक्ट की जानकारी थी। ऑगनबाड़ी केन्द्र पर 10 बच्चे उपस्थित थें। सभी को दवा खिलाया गया था।	
आशा द्वारा स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची नहीं उपलब्ध करायी गयी थी।	आशा को क्षेत्र से सूची तैयार करने व लोगों को प्रेरित कर केन्द्र तक लाने का सुझाव दिया गया।
दवा पीसकर खिलाये जाने की ब्यवस्था हेतु चम्मच उपलब्ध थे।	ऑगनबाड़ी कार्यकत्री से चम्मच में दवा बनाने सम्बन्धी जानकारी ली गयी।

चेकलिस्ट संलग्न।

स्थान– प्राइमरी पाठशाला व ऑगनबाड़ी केन्द्र, –ढाकादेई।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव
प्राइमरी पाठशाला व ऑगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों की सूची उपलब्ध थी। ट्रैकिंग शीट विकसित की गयी थी।	उपस्थिति पंजिका का उपयोग करते हुए दवा खिलाये गये बच्चों के नाम के सम्मुख सही का निशान लगाने का सुझाव दिया गया। जिससे छूटे हुए बच्चों की सूची भी तैयार हो सके।
दवाईयॉ 200 टेवलेट उपलब्ध थीं। भ्रमण के समय उपस्थित सभी बच्चों को दवा खिलायी गयी थी। अध्यापक को दवाईयों के साइड इफेक्ट की सही जानकारी नहीं थी। 63 बच्चों के बैग में दवा पायी गयी।	

ऑगनबाड़ी केन्द्र पर 10 बच्चे उपस्थित थें। सभी को दवा खिलाया गया था।	
आशा द्वारा स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची नहीं उपलब्ध करायी गयी थी।	आशा को क्षेत्र से सूची तैयार करने व लोगों को प्रेरित कर केन्द्र तक लाने का सुझाव दिया गया।
दवा पीसकर खिलाये जाने की व्यवस्था हेतु चम्मच उपलब्ध थे।	ऑगनबाड़ी कार्यकत्री से चम्मच में दवा बनाने सम्बन्धी जानकारी ली गयी।

<u>चेकलिस्ट संलग्न।</u>

प्राथमिक विद्यालय ढाकादेवी
वि.क्षे. रामपुर मनिहारान-जनपद-सहारनपुर

10 फरवरी 2018 –
क्रमण की रोकथाम आसान है।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय घसौली
वि.क्षे.रामपुर मनि.जनपद-सहारनपुर
10 फरवरी 2018 – राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस
क्या आप जानते हैं कि कृमि संक्रमण से बच्चों में:
कृमि संक्रमण की रोकथाम आसान है।

आलस्य जीवित मनुष्य की कब्र है

स्थान– प्राइमरी पाठशाला व ऑगनबाड़ी केन्द्र, –ढाकादेई।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव
प्राइमरी पाठशाला व ऑगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों की सूची उपलब्ध थी। ट्रैकिंग शीट विकसित की गयी थी।	उपस्थिति पंजिका का उपयोग करते हुए दवा खिलाये गये बच्चों के नाम के सम्मुख सही का निशान लगाने का सुझाव दिया गया। जिससे छूटे हुए बच्चों की सूची भी तैयार हो सके।
दवाईयॉ 200 टेवलेट उपलब्ध थीं। भ्रमण के समय उपस्थित सभी बच्चों को दवा खिलायी गयी थी। अध्यापक को दवाईयों के साइड इफेक्ट की सही जानकारी नहीं थी। 63 बच्चों के बैग में दवा पायी गयी।	
ऑगनबाड़ी केन्द्र पर 10 बच्चे उपस्थित थें। सभी को दवा खिलाया गया था।	
आशा द्वारा स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची नहीं उपलब्ध करायी गयी थी।	आशा को क्षेत्र से सूची तैयार करने व लोगों को प्रेरित कर केन्द्र तक लाने का सुझाव दिया गया।
दवा पीसकर खिलाये जाने की व्यवस्था हेतु चम्मच उपलब्ध थे।	ऑगनबाड़ी कार्यकत्री से चम्मच में दवा बनाने सम्बन्धी जानकारी ली गयी।

चेकलिस्ट संलग्न।